I.C.S.E

कक्षा : IX - X

हिन्दी

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

i. बच्चे के पालन-पोषण में संयुक्त परिवार एक अहम् भूमिका निभाते हैं कारण स्पष्ट करते हुए संयुक्त परिवार पर अपने विचार प्रकट करें।

ii. शारीरिक शिक्षा और योग इस पर प्रस्ताव लिखें।

iii. पर्व हमारे हर्षोल्लास के प्रतीक माने जाते हैं पर्वों के लाभ-हानि को बताते हुए पर्वों पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

iv. एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :

v. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : **[7]**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी की पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

(ii) आपकी मित्र किसी खेल प्रतियोगिता के लिए विदेश जा रही है। मंगलकामना करते हुए उसे पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : **[10]**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

मानसिक स्वास्थ्य के लिए ज्ञान की प्राप्ति आवश्यक है। पठन के द्वारा भी ज्ञान प्राप्ति होती है। पुस्तकालय ज्ञान का ख़जाना हैं। पुस्तकालय का निर्माण दो शब्दों के योग से होता है; पुस्तक+आलय अर्थात पुस्तकों का घर। यहाँ अनेकों विषयों पर पुस्तकें मिलती हैं, जिनके द्वारा हम अपनी ज्ञान पिपासा शांत कर सकते हैं। प्रत्येक पुस्तक ज्ञान का जलता दीपक है। हमें पुस्तकालयों के नियमों का पालन करते हुये पुस्तकें लेकर उनसे ज्ञान प्राप्त करना चाहिये। पुस्तकालयों में पढ़ने की भी व्यवस्था होती है। यहाँ के शांत वातावरण में पुस्तकों का अध्ययन करना बड़ा ही अच्छा लगता है। एक स्थान पर विभिन्न तरह की पुस्तक सरलता से मिल जाती है। पुस्तकालयों में धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक, साहित्य, चिकित्सा संबंधी सभी पुस्तकों को संग्रहित किया जाता है। पुस्तकालय के दो भाग होते हैं; वाचनालय तथा पुस्तकालय। वाचनालय में अखबार, साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक पत्र-पत्रिकाओं का पठन होता है।

1. पुस्तकालय का क्या अर्थ है?
2. पुस्तकालय में कौन-कौन-सी पुस्तकें संग्रहित होती है?
3. मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्या प्राप्त करना आवश्यक है?
4. पुस्तकालय के कितने और कौन-कौन से भाग होते है?
5. उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - पुष्प -
   - प्रदेश -

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]

   विघ्न -

   सुंदर -

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - औचित्य -
   - गीला -
   - तामसिक -
   - थोड़ा -

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - लड़ना -
   - जलना -

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
   - कलई खोलना -
   - खून खौलना -

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(a) रविवार सप्ताह में होने वाला अवकाश है। [1]

(रेखांकित शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए।)

(b) आलस्य के कारण वह सफल नहीं हो पाया। [1]

('आलस्य' के स्थान पर 'आलसी' का प्रयोग कीजिए)

(c) लेखक कहानी लिखता है। (भविष्यत् काल में बदलिए) [1]

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर गद्य)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस दिन बड़े सबेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा घर भर में कुहराम मचा हुआ है।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. बड़े सबेरे किसकी नींद किस कारणवश खुली? [2]
2. श्यामू ने उठने के बाद क्या देखा? [2]
3. श्यामू ने उपद्रव क्यों मचाया? [3]
4. श्यामू को सत्य का पता किस प्रकार चला? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"अजी ये पहाड़ी बड़े शैतान होते हैं। बच्चे-बच्चे में अवगुण छिपे रहते हैं-आप भी क्या अजीब हैं उठा लाए कहीं से-लो जी यह नौकर लो।"

पाठ - अपना-अपना भाग्य

जैनेंद्र कुमार

1. उपर्युक्त अवतरण में किस की बात की जा रही है? [2]
2. प्रस्तुत कथन के वक्ता का परिचय दें। [2]
3. लेखक उस बच्चे को वकील साहब के पास क्यों ले गए? [3]
4. वकील साहब उस बच्चे को नौकर क्यों नहीं रखना चाहते थे? [3]

Q 7. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इसी नगरपालिका के उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे-से हिस्से के बारे में।

पाठ - नेताजी का चश्मा

स्वयंप्रकाश

1. हालदार साहब कब और कहाँ-से क्यों गुजरते थे? [2]
2. कस्बे का वर्णन कीजिए। [2]
3. नगरपालिका के कार्यों के बारे में बताइए। [3]
4. शहर के मुख्य बाज़ार में प्रतिमा किसने लगवाईं थी और उस प्रतिमा की क्या विशेषता थी? [3]

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय॥
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोऊ के एक रंग, काग सब भये अपावन॥
कह गिरिधर कविराय, सुनो हो ठाकुर मन के।
बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के॥

साँई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार॥
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले॥
कह गिरिधर कविराय जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई॥

कविता - गिरधर की कुंडलियाँ

कवि - गिरधर कविराय

1. 'गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय' - पंक्ति का भावार्थ लिखिए। [2]
2. कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि क्या स्पष्ट करते हैं? [2]
3. संसार में किस प्रकार का व्यवहार प्रचलित है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए -

   काग, बेगरजी, विरला, सहस [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी,
हैं जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी।
सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीरण,
बाधा-रहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन।
लेकिन विघ्न अनेक सभी इस पथ पर अड़े हुए हैं,
मानवता की राह रोककर पर्वत अड़े हुए हैं।
न्यायोचित सुख सुलभ नहीं जब तक मानव-मानव को,
चैन कहाँ धरती पर तब तक शांति कहाँ इस भव को।
कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह दिनकर

1. कवि ने भूमि के लिए किस शब्द का प्रयोग किया हैं और क्यों? [2]
2. धरती पर शांति के लिए क्या आवश्यक है? [2]
3. भीष्म पितामह युधिष्ठिर को किस नाम से बुलाते है? क्यों? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - क्रीत, जन्मना, समीरण, भव, मुक्त, सुलभ [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी
'क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की'
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

कविता - मेघ आए

कवि - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1. 'क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी, क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]
2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों? [2]
3. कवि ने पीपल के पेड़ के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है और क्यों? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - बरस, सुधि, अकुलाई, ढरके, अश्रु, जुहार [3]

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस फ़र्नीचर पर हमारे बाप-दादा बैठते थे, पिता बैठते थे, चाचा बैठते थे। उन लोगों को कभी शर्म नहीं आई, उन्होंने कभी फ़र्नीचर के सड़े-गले होने की शिकायत नहीं की।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेन्द्रनाथ ‘अश्क’

1. उपर्युक्त अवतरण का वक्ता कौन है और इस समय वह किससे और क्यों बहस कर रहा है? [2]
2. श्रोता बेला के मायके और ससुराल में क्या अंतर है? [2]
3. बेला की अपने फ़र्नीचर के बारे राय थी? [3]
4. घर के फ़र्नीचर के बारे में वक्ता की राय क्या थी और वह उसे क्यों नहीं बदलना चाहता था? [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अब शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते हो। कुछ देर पहले तो ...

एकांकी - बहू की विदा

लेखिका - विनोद रस्तोगी

1. इस कथन की वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]
2. शराफत और इन्सानियत की दुहाई कौन दे रहा है? क्यों? [2]
3. वक्ता ने श्रोता की किस बात के लिए आलोचना की? [3]
4. वक्ता ने श्रोता की आँखे किस प्रकार खोली? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पहाड़ बनने से क्या होगा? राजमहल पर बोझ बनकर रह जाओगी, बोझ! और नदी बनो तो तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे, आनंद और मंगल तुम्हारे किनारे होंगे, जीवन का प्रवाह होगा, उमंगों की लहरें होंगी, जो उठने में गीत गाएँगी, गिरने में नाच नाचेंगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. यहाँ किसे पहाड़ कहा गया है? क्यों? [2]
2. उपर्युक्त कथन किसने किससे कहा? इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए। [2]
3. 'तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे' का क्या तात्पर्य है? [3]
4. दीपदान उत्सव का आयोजन किसने और क्यों किया? [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

यह कैसी विचित्र घड़ी होती है। माता-पिता जिस बेटी का लालन-पालन इतने वर्षों तक लाड़-प्यार करते हैं, उसी बेटी को सदा के लिए दूसरे के हाथों में सौंप देते हैं। हर पल रहने वाली बिटिया के लिए वह घर पराया हो जाता है। घर ही क्या, बिटिया भी तो पराया धन ही हो जाती है।

1. यहाँ विचित्र घड़ी से क्या उद्देश्य है? [2]
2. किसका विवाह हो रहा है? [2]
3. वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना क्यों पड़ता है? [3]
4. 'बेटी पराया धन होती है' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

एक घंटे का समय कहाँ व्यतीत करे, उसकी कुछ समझ में ही नहीं आ रहा था। तभी उसने एक पत्रिका खरीदी और पास में पड़ी बेंच पर बैठकर पढ़ने लगी। हर दस मिनट के बाद उसकी नज़र घड़ी पर चली जाती। एक-एक पल काटना कठिन हो रहा था।

1. वक्ता परेशान क्यों है? [2]
2. उसे यह समय बहुत लंबा क्यों लग रहा है? [2]
3. इस इंतजार का वास्तविक उद्देश्य क्या है? [3]
4. यह कथन किस परिप्रेक्ष्य में कहा गया है? [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उन्होंने लिफाफा खोलकर देखा तो वे प्रसन्न हो गईं। उनके भतीजे दीपक की शादी का कार्ड था। कितनी प्रसन्न थीं आज वह। उनको अपने भाई के पास गए हुए भी कई वर्ष हो गए थे। उन्होंने सोचा कि इस बार वे शादी में जाएँगी, तब कुछ दिनों के लिए वहाँ रुकेंगी।

1. दीपक कौन है? वक्ता का उससे क्या संबंध है? [2]
2. शादी में जाने के लिए वे इतना उत्साहित क्यों है? [2]
3. ‘शादी शब्द सुनकर एक अजीब प्रसन्नता यहाँ क्यों छा जाती है? [3]
4. शादी के पीछे छिपे भाव को स्पष्ट कीजिए। [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

i) बच्चे के पालन-पोषण में संयुक्त परिवार एक अहम् भूमिका निभाते हैं कारण स्पष्ट करते हुए संयुक्त परिवार पर अपने विचार प्रकट करें।

बड़े-बुजर्गों के साथ कई रिश्तों का एक माला में पिरोया हुआ परिवार ही संयुक्त परिवार कहलाता है। संयुक्त परिवार से संयुक्त उर्जा का जन्म होता

है। संयुक्त उर्जा दुखों को खत्म करती है। संयुक्त परिवार हमारी सामाजिक व्यवस्था का मूल आधार है पहले खेती प्रधान समाज था। हर परिवार में ज्यादा से ज्यादा लोगों की जरूरत पड़ती थी। यही कारण था कि एक ही चूल्हा हुआ करता था। सब लोग एक ही रसोई का पका हुआ भोजन खाते और मिलकर खेती करते थे। सेहत-चिकित्सा का विकास नहीं हुआ था। मृत्यु दर अधिक थी। यही कारण था कि परिवार को बड़ा रखने की सोच ज्यादा प्रबल थी। समाज के साथ-साथ मानव की सोच में बदलाव आया। जन्म दर बढ़ी और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ बढ़ने लगी। मृत्यु दर कम हुई और रोजगार के साधन बड़े। जिस कारण बड़े परिवार का लालन-पालन करना कठिन होने लगा। खेती के सीमित होने से छोटे परिवारों की धारणा बढ़ने लगी। लेकिन आज के प्रतिस्पर्धा भरे युग में जहाँ हर व्यक्ति अपने को दूसरे से बेहतर साबित करने के होड़ में जुटा है, कम उम्र एवं कम समय मे ज्यादा कामयाबी, ऊँचा पद तथा आमदनी हासिल करने के जूनून में व्यक्ति परिवार से दूर होते जा रहा है। बदलती जीवनशैली और प्रतिस्पर्धा के दौर में तनाव तथा अन्य मानसिक समस्याओं से निपटने में अपनों का साथ अहम भूमिका निभा सकता है। संयुक्त परिवार में सभी सदस्य एक दूसरे के आचार व्यवहार पर निरंतर निगरानी बनाय रखते हैं, किसी की अवांछनीय गतिविधि पर अंकुश लगा रहता है, अर्थात प्रत्येक सदस्य चरित्रवान बना रहता है। किसी समस्या के समय सभी परिजन उसका साथ देते हैं। इसलिए आज फिर से संयुक्त परिवारों को अपनाया जा रहा है। इसका एक कारण नारियों का कामकाजी होना भी है आज लगभग हर एक घर में नारी कामकाजी है ऐसे में बच्चों की सुरक्षा एक अहम् मुद्दा माता-पिता के सामने उभरकर आता है और ये तो सर्वविदित सत्य है कि दादा-दादी या नाना-नानी या घर बड़े बुजर्गों से बढ़िया लालन-पालन और कोई नहीं कर सकता है। आज जहाँ हर दिन बच्चों से जुड़ी अप्रिय घटनाएँ सुनने को मिल जाती है ऐसे समय में घर के बड़े-बुजर्गों का ही

आसरा बचता है केवल सुरक्षा की ही बात नहीं है परंतु बच्चों के बढ़ते अहम् वर्षों में उसे ज्यादा सुना जाना, उसकी जिज्ञासा का सही उत्तर देना और हर समय किसी न किसी की उपलब्धता अति आवश्यक होती है और वर्तमान परिवेश में घर के बड़े बुजर्गों के अलावा माता-पिता के पास इतना समय नहीं होता है इसलिए आज संयुक्त परिवार हर घर की जरुरत बन गए है। वैसे भी अधिकतर अकेले और एकाकी परिवार के बच्चे हिंसक, झगड़ालू और कुंठित हो जाते हैं। कामकाजी माता-पिता के बच्चों में कई विकृतियों से पूरा विश्व चिंतित है। आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। आदर्श नागरिक बन कर वे देश के संचालक होंगे। यदि बच्चों को अच्छी परवरिश और संस्कार नहीं मिलेंगे तो वे आगे चलकर न ही अपना विकास कर पायेंगे और न ही परिवार का और न ही वे देश के विकास में सकारात्मक सहयोग दे सकेंगे। बच्चे संयुक्त परिवार में दादा-दादी, काका-काकी, बुआ आदि के प्यार की छाँव में खेलते-कूदते और संस्कारों को सीखते हुए बड़े होते हैं। आज फिर से संयुक्त परिवार की भावना को स्वीकार किया जा रहा है। हर कोई चाहता है कि उनका परिवार सुखी और खुशहाल हो।

ii) शारीरिक शिक्षा और योग इस पर प्रस्ताव लिखें।

स्वास्थ्य मानव का अमूल्य धन है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। मनुष्य के जीवन में आरंभ से ही शारीरिक शिक्षा और योग का महत्त्व रहा है।

शारीरिक शिक्षा जहाँ एक ओर हमारे शरीर से संबंधित होती है वही योग तन और मन दोनों से समान रूप में जुड़ा है। शारीरिक शिक्षा हमारे तन को स्वस्थ रखने में कारगर है, उससे शारीरिक सुंदरता भी बढ़ती है। तो योग स्वास्थ्य, बाह्य सौंदर्य, आंतरिक सौंदर्य, और आध्यात्मिक से भी हमारा परिचय करवाता है।

शारीरिक शिक्षा और योग को यदि आपस में जोड़ दिया जाए तो परिणाम बड़ा सुखद होगा। इन दोनों के साथ मानव का शारीरिक और मानसिक अर्थात् सर्वांगीण विकास होगा। वैसे भी एक प्रगतिशील समाज के लिए उसके नागरिकों का न केवल शारीरिक रूप से सक्षम होना ही जरुरी नहीं है बल्कि वह मानसिक रूप से भी स्वस्थ और सबल होना चाहिए। जिससे वह जीवन की हर चुनौतियों का सामना कर सके और एक स्वस्थ और सुन्दर राष्ट्र का निर्माण करने में अपनी भागीदारी दे सके।

iii) पर्व हमारे हर्षोल्लास के प्रतीक माने जाते हैं पर्वों के लाभ-हानि को बताते हुए पर्वों पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

भारत में विभिन्न धर्म विद्यमान हैं। इस कारण यहाँ उनसे जुड़े विभिन्न त्योहार विद्यमान है। त्योहार या उत्सव हमारे सुख और हर्षोल्लास के प्रतीक है जो परिस्थिति के अनुसार अपने रंग-रुप और आकार में भिन्न होते हैं। सभी त्योहारों से कोई न कोई पौराणिक कथा अवश्य जुड़ी हुई है और इन कथाओं का संबंध तर्क से न होकर अधिकतर आस्था से होता है। ये त्योहार भारत की एकता, अखण्डता और भाईचारे का प्रतीक हैं। ये त्योहार हमारी प्राचीन संस्कृति के प्रतीक हैं और हमारी पहचान भी हैं।

त्योहार मानव जीवन में उत्साह, उमंग, रोजमर्रा के जीवन की उदासी से हमारा मनोरंजन करते हैं। त्योहार भाई चारा, प्रेम और सामाजिक एकता में भी बढ़ोतरी करते हैं। परन्तु जहाँ एक और उससे लाभ हैं तो हमारे पर्वों के साथ कुछ हानियाँ भी है जैसे पवित्र पर्व दिवाली के दिन कई लोग शराब और जुआ खेलते हैं, पटाखों के द्वारा प्रकृति को नुकसान पहुँचाते हैं। रंगों के त्योहार होली में रंगों के बजाए रासायनिक रंगों का प्रयोग करते हैं जिससे अनेक त्वचा रोग हो जाते हैं। शराब और भांग पीकर हुडदंग मचाते हैं।

त्योहार के कुप्रभाव से बचने के लिए सरकार और समाज दोनों की भागीदारी होना जरुरी है। एक ओर जहाँ सरकार को त्योहार से पहले जागृति अभियान

चलाना चाहिए। इसमें वे विज्ञापन और मिडिया का भी सहारा ले सकते हैं। त्योहार से जुड़े कुछ कानून भी सरकार को बनाने चाहिए और उन्हें तोड़ने पर सख्त कार्यवाही भी करनी चाहिए। वही दूसरी ओर सामान्य जनमानस भी त्योहार को उसके विशुद्ध रूप में लेकर ही मनाना चाहिए।

अत: यदि हर एक अपनी जिम्मेदारी को समझे तो हर एक त्योहार सही मायनों में मनुष्य के लिए यादगार त्योहार में बदल जाएगा।

iv) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : -

'परिश्रम ही सच्चा धन है।'

अमरावती गाँव में सर्जेराव, अपनी पत्नी रमा और चार बेटों के साथ रहता था सर्जेराव पेशे से एक किसान था। सर्जेराव और उसकी पत्नी बड़े ही मेहनती थे। पहले उनके पास बहुत कम जमीन थी जिससे उनका गुजारा भर हो जाता था परंतु अपनी मेहनत के बलबूते पर सर्जेराव ने थोड़े ही समय में काफी सारी नई जमीन खरीद ली इस आशा के साथ की चारों बेटे मिलकर खेती करेगें और सबके दिन सुखपूर्वक रहेंगे पर कहते हैं ना 'होई वही जो राम रची राखे' किसान के बेटे जैसे-जैसे बड़े होते गए किसान की आशाओं पर पानी फिरने लगा। उसके चारों बेटे आलसी और कामचोर निकले। वे दिनभर गाँव में मटरगश्ती करते फिरते पर खेती की ओर बिल्कुल भी ध्यान न देते। सर्जेराव उन्हें समझा-समझा कर हार गया पर कोई फायदा न हुआ।

सर्जेराव का मृत्यु का समय निकट आया तो उसने अपने चारों बेटों को अपने पास बुलाया और कहा कि उसने अपने जीवन की सारी कमाई खेतों में गाड़ रखी है। तुम सब आपस में बराबर बाँट लेना। और एक दिन सर्जेराव का देहांत हो जाता है। बेटों को अपने पिता की कही हुई बात याद आती है वे मिलकर पूरे खेतों की खुदाई कर देते हैं, लेकिन उनके हाथ कुछ भी नहीं निकलता। थक हारकर वे अपने पिता को कोसने लगते हैं कि उसी समय वहाँ से उनके पिता का मित्र गाँव का मुखिया निकलता है। उनकी बात जानने के

बाद वह उन्हें सलाह देता है कि अब जब खेत खुद चुका है तो क्यों ने वे लोग इसमें बीज बो दें। बेटों ने वैसा ही किया उस साल उन खेतों से उन्हें भरपूर फसल मिलती है अपने अनाज से लहलहाते खेतों को देखकर उन्हें अपने पिता की कही हुई बात का वास्तविक अर्थ समझ आता है। उस दिन के पश्चात किसान के बेटे आलस्य को त्याग देते हैं।

v) नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रस्तुत चित्र हड़ताल से संबंधित है। कोई खास वर्ग अपनी माँगों के समर्थन के लिए हड़ताल करता हुआ जान पड़ता है। हड़ताल ने यहाँ पर अपना उग्र रूप ले लिया है। कई लोग सड़कों पर उतर आए हैं और सामूहिक रूप से देश की संपत्ति को नुकसान पहुँचा रहे हैं।
भारत में इसकी शुरुआत औद्योगिक विकास के बाद ही शुरू हुई है। कारखानों, मिलों तथा कंपनियों से शुरू हुआ यह आज अपने अलग ही रूप को प्रदर्शित कर रही है। इसका प्रांरभिक मजदूरों के हितों का संरक्षण करना था।

हड़ताल को यदि सही तरीके से किया जाए तो इसका सब पर सकारात्मक परिणाम हो सकता है परन्तु आज इसे राजनैतिक रूप देखकर अति उग्र रूप दिया जा रहा है। जहाँ कोई छोटी घटना घटी नहीं की लोग हड़ताल पर उतर आते है और उसे हिंसात्मक रूप दे देते हैं। लोग शरारती लोगों के बहकावे में आकर अपने ही देश की संपत्ति को तहस-नहस करने लगते हैं। इससे बेचारा आम आदमी मारा जाता है, बेकसूर जनता पिस जाती है।

भारत की नई पीढ़ी को इस समस्या के प्रति जागरूक होना होगा। उन्हें यह समझना होगा की समस्या का समाधान शांतिपूर्ण ढ़ंग से निकाला जा सकता है। और यदि जरूरत पड़े भी तो हड़ताल को हिंसात्मक रूप तक या देश को किसी-भी प्रकार की क्षति पहुँचे इस का ध्यान रखें।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : **[7]**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) विद्यालय के प्रधानाचार्य को विद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी की पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में

प्रधानाचार्य महोदय

वीर सावरकर विद्यालय

मुंबई

दिनाँक - 27 फरवरी 2015

विषय : पुस्तकालय में हिन्दी की पत्रिकाओं के संबंध में प्रार्थना पत्र।

आदरणीय महोदय

मैं कक्षा दसवीं की छात्रा, हिन्दी परिषद की सचिव इस प्रार्थना पत्र के माध्यम से विद्‌यालय के पुस्तकालय में हिन्दी पत्रिकाओं की कमी की ओर आपका ध्यानाकर्षण करना चाहती हूँ। मान्यवर महोदय हमारा विद्‌यालय अंग्रेजी माध्यम का होने के कारण अधिकतर पत्रिकाएँ अंग्रेजी में ही आती हैं। जबकि हिन्दी भी एक विषय के रूप में हायर सेकेंडरी तक पढ़ाया जाता है अत:छात्रों की रूचि भी हिन्दी पत्रिकाओं में उतनी है जितनी अंग्रेजी पत्रिकाओं में है।

अत: आपसे अनुरोध है कि विद्‌यालय के पुस्तकालय में हिन्दी संबंधित पत्रिकाओं की संख्या बढ़ाने के संबंध में उचित कार्यवाही करें।

सधन्यवाद।

आपकी आज्ञाकारी शिष्य

कमल शर्मा

सचिव, हिन्दी परिषद

मुंबई

(ii) आपकी मित्र किसी खेल प्रतियोगिता के लिए विदेश जा रही है। मंगलकामना करते हुए उसे पत्र लिखिए।

102, मोहनगंज

गली नं-5

रायपुर

दिनाँक - 2 अगस्त 2014

प्रिय सुमन

मधुर स्मृति।

मुझे यह जानकार हार्दिक प्रसन्नता हुई कि तुम्हारा चयन राष्ट्र मंडल खेल के लिए हुआ है। घर के अन्य सदस्य भी तुम्हारी इस उपलब्धता पर गर्वित

महसूस कर रहे हैं और तुम्हारी सफलता की कामना कर रहे हैं। मेरी यह कामना है कि तुम इस प्रतियोगिता के हर स्तर पर कामयाब रहो और अपने सपने को पूरा करो।

तुम्हारी यात्रा मंगलमय और आनंदमय हो।

शेष मिलने पर।

तुम्हारी सहेली

शुचिता

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : **[10]**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए : मानसिक स्वास्थ्य के लिए ज्ञान की प्राप्ति आवश्यक है। पठन के द्वारा भी ज्ञान प्राप्ति होती है। पुस्तकालय ज्ञान का ख़जाना हैं। पुस्तकालय का निर्माण दो शब्दों के योग से होता है; पुस्तक+आलय अर्थात पुस्तकों का घर। यहाँ अनेकों विषयों पर पुस्तकें मिलती हैं, जिनके द्वारा हम अपनी ज्ञान पिपासा शांत कर सकते हैं। प्रत्येक पुस्तक ज्ञान का जलता दीपक है। हमें पुस्तकालयों के नियमों का पालन करते हुये पुस्तकें लेकर उनसे ज्ञान प्राप्त करना चाहिये। पुस्तकालयों में पढ़ने की भी व्यवस्था होती है। यहाँ के शांत वातावरण में पुस्तकों का अध्ययन करना बड़ा ही अच्छा लगता है। एक स्थान पर विभिन्न तरह की पुस्तक सरलता से मिल जाती है। पुस्तकालयों में धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक, साहित्य, चिकित्सा संबंधी सभी पुस्तकों को संग्रहित किया जाता है। पुस्तकालय के दो भाग होते हैं; वाचनालय तथा पुस्तकालय। वाचनालय में अखबार, साप्ताहिक, पाक्षिक तथा मासिक पत्र-पत्रिकाओं का पठन होता है।

1. पुस्तकालय का क्या अर्थ है?

   उत्तर : पुस्तकालय का निर्माण दो शब्दों के योग से होता है; पुस्तक़+ आलय अर्थात् पुस्तकों का घर।

2. पुस्तकालय में कौन-कौन-सी पुस्तकें संग्रहित होती है?

   उत्तर : पुस्तकालयों में धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक, साहित्य, चिकित्सा संबंधी सभी पुस्तकों को संग्रहित किया जाता है।

3. मानसिक स्वास्थ्य के लिए क्या प्राप्त करना आवश्यक है?

   उत्तर : मानसिक स्वास्थ्य के लिए ज्ञान की प्राप्ति आवश्यक है।

4. पुस्तकालय के कितने और कौन-कौन से भाग होते है?

   उत्तर : पुस्तकालय के दो भाग होते हैं; वाचनालय तथा पुस्तकालय।

5. उपयुक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

   उत्तर : पुस्तकालय

Q.4 Answer the following according to the instructions given :
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]

   - पुष्प - पुष्पित
   - प्रदेश - प्रादेशिक

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]

   विघ्न - बाधा, अड़चन, रूकावट

   सुंदर - मनोहर, रुचिर, रम्य

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]

   - औचित्य - अनौचित्य
   - गीला - सूखा
   - तामसिक - सात्विक

- थोड़ा - बहुत

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]
   - लड़ना - लड़ाई
   - जलना - जलन

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]
   - कलई खोलना - रिश्वत लेते पकड़े जाने पर ईमानदारी का दम भरने वाले राघव की कलई खुल गई।
   - खून खौलना - रामप्रसाद जैसे ईमानदार व्यक्ति पर उँगली उठते देख कर्मचारियों का खून खौल उठा।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

   (a) रविवार <u>सप्ताह में होने वाला</u> अवकाश है। [1]

   (रेखांकित शब्द समूह के लिए एक शब्द दीजिए।)

   उत्तर : साप्ताहिक

   (b) आलस्य के कारण वह सफल नहीं हो पाया। [1]

   ('आलस्य' के स्थान पर 'आलसी' का प्रयोग कीजिए)

   उत्तर : आलसी होने के कारण वह सफल नहीं हो पाया।

   (c) लेखक कहानी लिखता है। [1]

   (भविष्यत् काल में बदलिए)

   उत्तर : लेखक कहानी लिखेगा।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(**साहित्य सागर गद्य**)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस दिन बड़े सबेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा घर भर में कुहराम मचा हुआ है।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. बड़े सबेरे किसकी नींद किस कारणवश खुली? [2]

   उत्तर : बड़े सबेरे श्यामू की नींद घर में मचे कोहराम के कारण खुली।

2. श्यामू ने उठने के बाद क्या देखा? [2]

   उत्तर : उस दिन बड़े सबेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा कि उसके घर में कुहराम मचा हुआ है उसकी माँ ऊपर से नीचे तक एक कपड़ा ओढ़े हुए कंबल पर भूमि शयन कर रही है और घर के सब लोग उसे, घेरकर बैठे बड़े करुण ढंग से विलाप कर रहे हैं।

3. श्यामू ने उपद्रव क्यों मचाया? [3]

   उत्तर : उस दिन बड़े सबेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा कि उसके घर में कुहराम मचा हुआ है। उसकी माँ ऊपर से नीचे तक एक कपड़ा ओढ़े हुए कंबल पर भूमि शयन कर रही है और घर के सब लोग उसे, घेरकर बैठे बड़े करुण ढंग से विलाप कर रहे हैं। उसके

बाद जब उसकी माँ की श्मशान ले जाने के लिए ले जाने लगे तो श्यामू ने अपनी माँ को रोकने के लिए बड़ा उपद्रव मचाया।

4. श्यामू को सत्य का पता किस प्रकार चला? [3]

उत्तर : श्यामू अबोध बालक होने के कारण बड़े बुद्धिमान गुरुजनों ने उससे उसकी माँ की मृत्यु की बात यह कहकर छिपाई कि उसकी माँ मामा के यहाँ गई है परंतु जैसा कि कहा जाता है असत्य के आवरण में सत्य बहुत समय तक छिपा नहीं रह सकता ठीक उसी प्रकार श्यामू जब अपने हमउम्र दोस्तों के साथ खेलने जाता तो उनके मुख से यह बात उजागर हो गई कि उसकी माँ राम के यहाँ गई है और इस तरह श्यामू को पता चल ही गया कि उसकी माँ की मृत्यु हो गई है।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"अजी ये पहाड़ी बड़े शैतान होते हैं। बच्चे-बच्चे में अवगुण छिपे रहते हैं-आप भी क्या अजीब हैं उठा लाए कहीं से-लो जी यह नौकर लो।"

पाठ - अपना-अपना भाग्य

जैनेंद्र कुमार

1. उपर्युक्त अवतरण में किस की बात की जा रही है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण में एक दस-बारह वर्षीय पहाड़ी बालक की बात की जा रही है।

2. प्रस्तुत कथन के वक्ता का परिचय दें। [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन के वक्ता लेखक के वकील मित्र हैं और साथ ही होटल के मालिक भी हैं।

3. लेखक उस बच्चे को वकील साहब के पास क्यों ले गए? [3]

उत्तर : लेखक को रास्ते में एक दस-बारह वर्षीय बालक मिला जिसके पास कोई काम और रहने की जगह नहीं थी। लेखक के एक वकील मित्र थे जिन्हें अपने होटल के लिए एक नौकर की आवश्यकता थी इसलिए लेखक उस बच्चे को वकील साहब के पास ले गए।

4. वकील साहब उस बच्चे को नौकर क्यों नहीं रखना चाहते थे? [3]

उत्तर : वकील उस बच्चे को नौकर इसलिए नहीं रखना चाहते थे क्योंकि वे और लेखक दोनों ही उस बच्चे के बारे में कुछ जानते नहीं थे। साथ ही वकील साहब को यह लगता था कि पहाड़ी बच्चे बड़े शैतान और अवगुणों से भरे होते हैं। यदि उन्होंने ने किसी ऐरे गैरे को नौकर रख लिया और वह अगले दिन वह चीजों को लेकर चंपत हो गया तो। इस तरह भविष्य में चोरी की आशंका के कारण वकील साहब ने उस बच्चे को नौकरी पर नहीं रखा।

Q 7. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इसी नगरपालिका के उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे-से हिस्से के बारे में।

पाठ - नेताजी का चश्मा

स्वयंप्रकाश

1. हालदार साहब कब और कहाँ-से क्यों गुजरते थे? [2]

उत्तर : हालदार साहब हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में एक कस्बे से गुजरते थे। जहाँ बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी की मूर्ति लगी थी।

2. कस्बे का वर्णन कीजिए। [2]

उत्तर : कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल, एक लड़कियों का स्कूल, एक सीमेंट का कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक नगरपालिका थी।

3. नगरपालिका के कार्यों के बारे में बताइए। [3]

उत्तर : उस कस्बे नगरपालिका थी तो कुछ-न कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मलेन करवा दिया।

4. शहर के मुख्य बाज़ार में प्रतिमा किसने लगवाईं थी और उस प्रतिमा की क्या विशेषता थी? [3]

उत्तर : शहर के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी थी।

उस मूर्ति की विशेषता यह थी कि मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची और सुंदर थी। नेताजी फौजी वर्दी में सुंदर लगते थे। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और तुम मुझे खून दो... आदि याद आने लगते थे। केवल

एक चीज की कसर थी जो देखते ही खटकती थी नेताजी की आँख पर संगमरमर चश्मा नहीं था बल्कि उसके स्थान पर सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था।

(**साहित्य सागर पद्य**)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय॥
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोऊ के एक रंग, काग सब भये अपावन॥
कह गिरिधर कविराय, सुनो हो ठाकुर मन के।
बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के॥

साँई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार॥
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले॥
कह गिरिधर कविराय जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई॥

कविता - गिरधर की कुंडलियाँ

कवि - गिरधर कविराय

1. 'गुन के गाहक सहस, नर बिन गुन लहै न कोय' - पंक्ति का भावार्थ लिखिए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति में गिरिधर कविराय ने मनुष्य के आंतरिक गुणों की चर्चा की है। गुणी व्यक्ति को हजारों लोग स्वीकार करने को तैयार

रहते हैं लेकिन बिना गुणों के समाज में उसकी कोई महत्ता नहीं। इसलिए व्यक्ति को अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

2. कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि क्या स्पष्ट करते हैं? [2]

उत्तर : कौए और कोयल के उदाहरण द्वारा कवि कहते है कि जिस प्रकार कौवा और कोयल रूप-रंग में समान होते हैं किन्तु दोनों की वाणी में ज़मीन-आसमान का फ़र्क है। कोयल की वाणी मधुर होने के कारण वह सबको प्रिय है। वहीं दूसरी ओर कौवा अपनी कर्कश वाणी के कारण सभी को अप्रिय है। अत: कवि कहते हैं कि बिना गुणों के समाज में व्यक्ति का कोई नहीं। इसलिए हमें अच्छे गुणों को अपनाना चाहिए।

3. संसार में किस प्रकार का व्यवहार प्रचलित है? [3]

उत्तर : कवि कहते हैं कि संसार में बिना स्वार्थ के कोई किसी का सगा-संबंधी नहीं होता। सब अपने मतलब के लिए ही व्यवहार रखते हैं। अत:इस संसार में मतलब का व्यवहार प्रचलित है।

4. शब्दार्थ लिखिए -

काग, बेगरजी, विरला, सहस [3]

उत्तर : काग - कौवा

बेगरजी - नि:स्वार्थ

विरला - बहुत कम मिलनेवाला

सहस - हजार

सुहावन - सुंदर

जगत - जग

संग - साथ

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी,
हैं जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी।
सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीरण,
बाधा-रहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन।
लेकिन विघ्न अनेक सभी इस पथ पर अड़े हुए हैं,
मानवता की राह रोककर पर्वत अड़े हुए हैं।
न्यायोचित सुख सुलभ नहीं जब तक मानव-मानव को,
चैन कहाँ धरती पर तब तक शांति कहाँ इस भव को।

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह दिनकर

1. कवि ने भूमि के लिए किस शब्द का प्रयोग किया हैं और क्यों? [2]
उत्तर : कवि ने भूमि के लिए 'क्रीत दासी' शब्द का प्रयोग किया हैं क्योंकि किसी की क्रीत (खरीदी हुई) दासी नहीं है। इस पर सबका समान रूप से अधिकार है।

2. धरती पर शांति के लिए क्या आवश्यक है? [2]
उत्तर : धरती पर शांति के लिए सभी मनुष्य को समान रूप से सुख-सुविधाएँ मिलनी आवश्यक है।

3. भीष्म पितामह युधिष्ठिर को किस नाम से बुलाते है? क्यों? [3]
उत्तर : भीष्म पितामह युधिष्ठिर को 'धर्मराज' नाम से बुलाते है क्योंकि वह सदैव न्याय का पक्ष लेता है और कभी किसी के साथ अन्याय नहीं होने देता।

4. शब्दार्थ लिखिए - क्रीत, जन्मना, समीरण, भव, मुक्त, सुलभ [3]

उत्तर : क्रीत - खरीदी हुई

जन्मना - जन्म से

समीरण - वायु

भव - संसार

मुक्त - स्वतंत्र

सुलभ - आसानी से प्राप्त

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी
'क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की'
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

कविता - मेघ आए

कवि - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1. 'क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी, क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि नायिका को यह भ्रम था कि उसके प्रिय अर्थात् मेघ नहीं आएँगे परन्तु बादल रूपी नायक के आने से उसकी सारी शंकाएँ मिट जाती है और वह क्षमा याचना करने लगती है।

2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों? [2]

उत्तर : लता ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ की ओट में से देखा क्योंकि एक तो वह बादल को देखने के लिए व्याकुल हो रही थी और दूसरी ओर वह बादलों के देरी से आने के कारण रूठी हुई भी थी।

3. कवि ने पीपल के पेड़ के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है और क्यों? [3]

उत्तर : कवि ने पीपल के पेड़ के लिए 'बूढ़े' शब्द का प्रयोग किया है क्योंकि पीपल का पेड़ दीर्घजीवी होता है। जिस प्रकार गाँव में मेहमान आने पर बड़े-बूढ़े आगे बढ़कर उसका अभिवादन करते हैं वैसे ही मेघ रूपी दामाद के आने पर गाँव के बुजुर्ग पीपल का पेड़ आगे बढ़कर उनका स्वागत करते हैं।

4. शब्दार्थ लिखिए - बरस, सुधि, अकुलाई, ढरके, अश्रु, जुहार [3]

उत्तर : बरस - वर्ष

सुधि - सुध

अकुलाई - व्याकुल

ढरके - ढलकना

अश्रु - आँसू

जुहार - स्वागत

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस फ़र्नीचर पर हमारे बाप-दादा बैठते थे, पिता बैठते थे, चाचा बैठते थे। उन लोगों को कभी शर्म नहीं आई, उन्होंने कभी फ़र्नीचर के सड़े-गले होने की शिकायत नहीं की।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण का वक्ता कौन है और इस समय वह किससे और क्यों बहस कर रहा है? [2]

   उत्तर : उपर्युक्त अवतरण का वक्ता परेश है जो कि तहसीलदार है। इस समय वह अपनी पत्नी बेला से फ़र्नीचर के बाबत बहस कर रहा है। बेला पढ़ी-लिखी और आधुनिक विचारधारा को मानने वाली स्त्री है। वह घर के पुराने फ़र्नीचर को बदलना चाहती है और इसलिए वह इस बात पर अपने पति परेश से बहस करती है।

2. श्रोता बेला के मायके और ससुराल में क्या अंतर है? [2]

   उत्तर : बेला जो की घर की छोटी बहू है, बड़े घर से ताल्लुक रखती है। घर की इकलौती लड़की होने के कारण उसे अपने घर में बहुत अधिक लाड़-प्यार, मान सम्मान और स्वच्छंद वातावरण मिला था। उसके विपरीत उसका ससुराल एक संयुक्त परिवार था जो घर के दादाजी की छत्रछाया में जीता था। यहाँ के लोग सभी पुराने संस्कारों में ढले हैं।

3. बेला की अपने फ़र्नीचर के बारे राय थी? [3]

उत्तर : बेला बड़ी घर की एकलौती बेटी होने के कारण अपने मायके में लाड़-प्यार से पली-बढ़ी थी। यहाँ ससुराल में सभी पुराने संस्कारों को मानने वाले थे अत:घर की कोई भी चीज को बदलना नहीं चाहते थे। बेला की राय में कमरे का फ़र्नीचर सड़ा-गला और टूटा-फूटा है और वह इस प्रकार के फ़र्नीचर को अपने कमरे में रखने की बिल्कुल भी इच्छुक नहीं थी।

4. घर के फ़र्नीचर के बारे में वक्ता की राय क्या थी और वह उसे क्यों नहीं बदलना चाहता था? [3]

उत्तर : वक्ता परेश पढ़ा-लिखा और तहसीलदार पद को प्राप्त किया युवक है परंतु संयुक्त परिवार में रहने के कारण उसे घर के माहौल के साथ ताल-मेल बिठाकर कार्य करना होता है। उसकी पत्नी बेला को कमरे का फ़र्नीचर टूटा-पुराना और सड़ा-गला लगता है तो इस पर वक्ता कहता है कि यह वही फ़र्नीचर है जिस पर उसके दादा, पिता और चाचा बैठा करते थे। उन्होंने तो कभी फ़र्नीचर की ऐसी शिकायत नहीं की और यदि इस फ़र्नीचर को वह कमरे में न रखे तो उसके परिवार इसे ठीक नहीं समझेंगे। अत:वक्ता अपने कमरे का फ़र्नीचर बदलना नहीं चाहता था।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अब शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते हो। कुछ देर पहले तो ...

एकांकी - बहू की विदा

लेखिका - विनोद रस्तोगी

1. इस कथन की वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]

उत्तर : इस कथन की वक्ता राजेश्वरी है। यह जीवन लाल की पत्नी है। वह एक नेक दिल औरत है। धैर्यवान तथा ममता की मूर्ति है। वह अन्याय का विरोध करती है। वह अपने पति जीवन लाल की उपर्युक्त कथन द्वारा आँखें खोल देती है।

2. शराफत और इन्सानियत की दुहाई कौन दे रहा है? क्यों? [2]

उत्तर : जीवन लाल शराफत और इन्सानियत की दुहाई दे रहा है क्योंकि दहेज देने के बावजूद उसकी बेटी गौरी के ससुराल वालों उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित किया।

3. वक्ता ने श्रोता की किस बात के लिए आलोचना की? [3]

उत्तर : वक्ता राजेश्वरी ने अपने पति जीवन लाल की लोभी प्रवृत्ति और दोगले व्यवहार के लिए उसकी आलोचना की। क्योंकि दहेज देने के बावजूद उसकी बेटी गौरी के ससुराल वालों के उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित करने पर जीवन लाल जीवन लाल शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते है। जबकि खुद अपनी बहू को दहेज

के पाँच हजार कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा नहीं करते और अपमानित करते है।

4. वक्ता ने श्रोता की आँखे किस प्रकार खोली? [3]

उत्तर : दहेज देने के बावजूद उसकी बेटी गौरी के ससुराल वालों के उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित करने पर जीवन लाल शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते है। तब वक्ता राजेश्वरी ने अपने पति जीवन लाल की आँखें खोलने के लिए कहाँ अब तुम शराफत और इन्सानियत की दुहाई दे रहे हो जबकि खुद अपनी बहू को दहेज के पाँच हजार कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा नहीं करते और अपमानित कर रहे हो।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पहाड़ बनने से क्या होगा? राजमहल पर बोझ बनकर रह जाओगी, बोझ! और नदी बनो तो तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे, आनंद और मंगल तुम्हारे किनारे होंगे, जीवन का प्रवाह होगा, उमंगों की लहरें होंगी, जो उठने में गीत गाएँगी, गिरने में नाच नाचेंगी।

एकांकी - दीपदान

लेखक - डॉ. रामकुमार वर्मा

1. यहाँ किसे पहाड़ कहा गया है? क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ धाय माँ पन्ना को पहाड़ कहा गया है क्योंकि उनमें ईमानदारी और देशभक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी है। जैसे एक पहाड़ अपने देश की सुरक्षा करता है वैसे ही पन्ना धाय भी अपने

स्वर्गीय राजा के उत्तराधिकारी कुँवर उदय सिंह की रक्षा के लिए पहाड़ बनकर खड़ी है।

2. उपर्युक्त कथन किसने किससे कहा? इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन रावल सरूप सिंह की पुत्री सोना ने धाय माँ पन्ना से कहा। इसका अर्थ यह है कि धाय माँ पन्ना बनवीर सिंह के साथ मिल जाए तथा अपने कर्तव्य कुँवर उदयसिंह की रक्षा से मुँह मोड़ ले।

3. 'तुम्हारा बहता हुआ बोझ पत्थर भी अपने सिर पर धारण करेंगे' का क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : सोना पन्ना धाय को अपनी देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा छोड़कर बनवीर के साथ मिल जाने की सलाह दे रही है।

4. दीपदान उत्सव का आयोजन किसने और क्यों किया? [3]

उत्तर : दीपदान उत्सव उत्सव का आयोजन महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर ने किया जिसे राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया था। उसने सोचा प्रजाजन दीपदान उत्सव के नाचगाने में मग्न होगे तब कुँवर उदय सिंह को मारकर वह सत्ता हासिल कर सकता है।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

यह कैसी विचित्र घड़ी होती है। माता-पिता जिस बेटी का लालन-पालन इतने वर्षों तक लाड़-प्यार करते हैं, उसी बेटी को सदा के लिए दूसरे के हाथों में सौंप देते हैं। हर पल रहने वाली बिटिया के लिए वह घर पराया हो जाता है। घर ही क्या, बिटिया भी तो पराया धन ही हो जाती है।

1. यहाँ विचित्र घड़ी से क्या उद्देश्य है? [2]

   उत्तर : यहाँ पर विचित्र घड़ी से उद्देश्य बेटी के विवाह से है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि जिस बेटी का माता-पिता लालन-पालन बड़े ही प्यार से करते हैं अंत में एक दिन वे उसे किसी दूसरे के हाथों कैसे सौंप पाते हैं।

2. किसका विवाह हो रहा है? [2]

   उत्तर : यहाँ पर मीनू की छोटी बहन आशा का विवाह हो रहा है।

3. वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना क्यों पड़ता है? [3]

   उत्तर : हमारे समाज में बेटी पराया धन मानी जाती है। प्रत्येक माता-पिता एक अमानत के तौर पर बेटी की देखभाल करते हैं। इसलिए वर्षों के लाड़-प्यार के बाद लड़की को बिछुड़ना पड़ता है।

4. 'बेटी पराया धन होती है' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

   उत्तर : बेटी पराया धन होती है इसका अर्थ यह है कि बेटियों का बड़े प्यार से लालन-पालन किया जाता है और एक दिन उनका विवाह

होकर वे दूसरों के घर चली जाती है इसलिए उन्हें पराया धन कहा जाता है।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

एक घंटे का समय कहाँ व्यतीत करे, उसकी कुछ समझ में ही नहीं आ रहा था। तभी उसने एक पत्रिका खरीदी और पास में पड़ी बेंच पर बैठकर पढ़ने लगी। हर दस मिनट के बाद उसकी नज़र घड़ी पर चली जाती। एक-एक पल काटना कठिन हो रहा था।

1. वक्ता परेशान क्यों है? [2]

   उत्तर : वक्ता मीनू अमित के एक्सीडेंट हो जाने के कारण परेशान है।

2. उसे यह समय बहुत लंबा क्यों लग रहा है? [2]

   उत्तर : मीनू को जब नीलिमा से अमित के एक्सीडेंट की खबर मिलती है तो वह उसे देखने के लिए मेडिकल कॉलेज पहुँच जाती है परंतु वहाँ जाने के बाद उसे पता चलता है कि मरीजों से मिलने का समय सुबह के दस बजे से है और उस समय नौ बजे थे और वह जल्द से जल्द अमित को मिलना चाहती थी इसलिए उसे वह समय लंबा लग रहा था।

3. इस इंतजार का वास्तविक उद्देश्य क्या है? [3]

   उत्तर : इस इंतजार का वास्तविक उद्देश्य यह है कि मीनू के मन में अमित के प्रति जो घृणा थी वह अब स्नेह में बदल गई है। इसलिए वह अमित की एक्सीडेंट की खबर सुनकर बैचैन हो जाती है और जल्द से जल्द उससे मिलना चाहती है।

4. यह कथन किस परिप्रेक्ष्य में कहा गया है? [3]

उत्तर : यह कथन अमित के एक्सीडेंट और मीनू के मन परिवर्तन के परिपेक्ष्य में कहा गया है। मीनू अपना रिश्ता अमित द्वारा ठुकराए जाने के कारण उसे पसंद नहीं करती परंतु नीलिमा द्वारा सच जानने के बाद मीनू का मन परिवर्तन हो गया था और अब वह अमित से स्नेह करने लगी थी।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उन्होंने लिफाफा खोलकर देखा तो वे प्रसन्न हो गईं। उनके भतीजे दीपक की शादी का कार्ड था। कितनी प्रसन्न थीं आज वह। उनको अपने भाई के पास गए हुए भी कई वर्ष हो गए थे। उन्होंने सोचा कि इस बार वे शादी में जाएँगी, तब कुछ दिनों के लिए वहाँ रुकेंगी।

1. दीपक कौन है? वक्ता का उससे क्या संबंध है? [2]

उत्तर : दीपक अमित की माँ के भाई का बेटा है। इस रिश्ते से अमित की माँ दीपक की बुआ है।

2. शादी में जाने के लिए वे इतना उत्साहित क्यों है? [2]

उत्तर : अमित की माँ शादी में जाने को उत्साहित इसलिए है क्योंकि दीपक उनके भाई का लड़का है और साथ ही कई वर्षों के बाद वे अपने भाई से इस विवाह के कारण मिल पाएँगी।

3. 'शादी शब्द सुनकर एक अजीब प्रसन्नता यहाँ क्यों छा जाती है? [3]

उत्तर : अमित का रिश्ता सरिता से टूट जाने के बाद से इस घर में अजीब-सी शांति छा गई थी घर के सभी सदस्य अपने-अपने

काम से निकल जाते थे और अमित की माँ घर में अकेली रह जाती थी इसलिए शादी शब्द सुनकर एक अजीब प्रसन्नता यहाँ छा जाती है।

4. शादी के पीछे छिपे भाव को स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : यहाँ पर शादी के पीछे छिपे अमित की माँ के मन में हुई खुशी के भाव से है। अमित की माँ पिछले कई वर्षों से अपने भाई से नहीं मिल पाई थी अब इस शादी के अवसर पर वह शादियों की खुशियों के साथ अपने भाई से भी मिल पाएँगी।